an>

Title: Regarding need to address the problems of fishermen in the country.

**श्री विनायक भाऊराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग) :** देश में मछुआरों की हालत किसी से छुपी हुई नहीं है। आज क समय में मछुआरों को मछली पकड़ने के अतिरिक्त कोई व्यवसाय नहीं होने के कारण वह अपने परिवार का ठीक से भरण-पोÂाण नहीं कर पा रहे हैं और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं। मछुआरों की आर्थिक हालत ठीक न होने के कारण बचपन से ही अपने बच्चों को मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगा देते हैं। आज देश के मछुआरों के पास पक्के मकान नहीं है, इसकी वजह से उनको कोलीवाडा में रहना पड़ता है तथा यह कोलीवाडा समुंदर के किनारे ही बने होते हैं। समुंदर के किनारे होने के कारण यह लोग कोस्टल रेगुलेशन जोन में आते हैं। इनका परिवार बदतर हालत में जीने को मजबूर है। मछुआरे अपनी नौकाएं वÂा◌ान के समय बारिश से बचाने के लिए प्लास्टिक इत्यादि चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं। उचित साधन नहीं होने के कारण इनकी नौकाएं जल्दी खराब हो जाती हैं। इनके पास कोल्ड स्टोरेज नहीं होने के कारण इनके द्वारा पकड़ी गई मछली जल्दी खराब हो जाती है। इनकी परेशानी यही खत्म नहीं होती है। मछुआरे मछली पकड़ने हेतु ज्यादातर खाड़ी इलाकों में जाते हैं, जिसमें कीचड़ होने के कारण मछली नहीं पकड़ पाते हैं। इस वजह से इनके व्यवसाय में कमी आ रही है।

अतः मैं माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि मछुआरों को उनके परिवार के भरण-पोÂाण के लिए समय-समय पर सरकारी अनुदान दिया जाए। केरोसीन, पेट्रोल पर सब्सिडी दी जाए, कोल्ड स्टोरेज की उचित व्यवस्था की जाए तथा उन खाड़ी इलाकों की उचित सफाई की जाए जहाँ मछुआरे मछली पकड़ने जाते हैं तथा सरकार मछुआरों के व्यवसाय बढ़ाने और इनके बच्चों को उचित शिक्षा देने के लिए कोई उचित योजना बनाए, जिससे इनकी परेशानी जल्द से जल्द खत्म हो सके।